*भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत **"जीवन और कार्य में नैतिकता और अखण्डता"** विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन दिनांक 31.10.2025 को किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं वक्ता अजय कुमार मिश्रा, मुख्य प्रबन्धक (सतर्कता), इफको–फूलपुर इकाई, प्रयागराज तथा विशिष्ट अतिथि, निदेशक, प्रसिद्ध रंगमंच–बैकस्टेज प्रवीण शेखर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। सरकारी एवं गैर–सरकारी कार्यों में समान व्यवहार रखते हुए पारदर्शिता को बनाए रखना ही कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बताया गया। केन्द्र प्रमुख, डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि सतर्कता जागरूकता का उद्देश्य भ्रष्टाचार, अनियमितता और लापरवाही को रोकना है, जिससे समाज और देश में स्वच्छ प्रशासन स्थापित हो सके। इसी क्रम में उन्होने कहा कि जब सामान्य नागरिक, अधिकारी एवं कर्मचारी आदि सतर्क रहते हैं, तो गलत कार्यों की सम्भावना कम हो जाती है। मुख्य अतिथि एवं वक्ता अजय कुमार मिश्रा ने कार्यशाला विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि जीवन और कार्य में नैतिकता और अखण्डता का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। नैतिकता का अर्थ है सही और गलत के बीच भेद कर सही मार्ग का चयन करना, जबकि अखण्डता का अर्थ है अपने सिद्धान्तों, मूल्यों और वचनों के प्रति ईमानदार रहना। ये दोनों गुण व्यक्ति के चरित्र की नीव होते हैं तथा उसके जीवन की दिशा तय करते हैं। इसी क्रम में उन्होने सभा को सम्बोधित करते हुए अपने विचारों को साझा किया। केन्द्र की सतर्कता अधिकारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने कार्य में ईमानदारी और पारदर्शिता रखें तो देश प्रगति की नई ऊचाइयों को प्राप्त कर सकता है। आयोजित कार्यशाला में केन्द्र के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी गण के साथ इफको के रजनीश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।*

सतर्कता जागरूकता सप्ताह
विषय :- जीवन और कार्य में नैतिकता और अखंडता
अजय कुमार मिश्रा
मुख्य प्रबंधक (सतर्कता)
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

सतर्कता जागरूकता सप्ताह
अजय कुमार मिश्रा

सतर्कता जागरूकता सप्ताह
अजय कुमार मिश्रा

अजय कुमार मिश्रा

"सतर्कता जागरूकता सप्ताह
विषय :- जीवन और कार्य में नैतिकता और अखंडता
अजय कुमार मिश्रा
मुख्य प्रबंधक (सतर्कता)
इफको, फूलपुर इकाई प्रयागराज
भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून)
प्रवीण शेखर
डॉ.संजय सिंह
अनीता तोमर

सतर्कता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

सहजसत्ता संवाददाता

प्रयागराज।भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत "जीवन और कार्य में नैतिकता और अखण्डता" विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन दिनांक 31.10.2025 को किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं वक्ता अजय कुमार मिश्रा, मुख्य प्रबन्धक (सतर्कता), इफको-फूलपुर इकाई, प्रयागराज तथा विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध रंगमंच, निदेशक, प्रवीण शेखर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यों में समान व्यवहार रखते हुए पारदर्शिता को बनाए रखना ही कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बताया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि सतर्कता जागरूकता का उद्देश्य भ्रष्टाचार, अनियमितता और लापरवाही को रोकना है ताकि समाज और देश में स्वच्छ प्रशासन स्थापित हो सके। इसी क्रम में उन्होने कहा कि जब सामान्य नागरिक, अधिकारी एवं कर्मचारी आदि सतर्क रहते हैं, तो गलत कार्यों की सम्भावना कम हो जाती है। मुख्य अतिथि एवं वक्ता अजय कुमार मिश्रा ने कार्यशाला विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि जीवन और कार्य में नैतिकता और अखण्डता का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। नैतिकता का अर्थ है सही और गलत के बीच भेद कर सही मार्ग का चयन करना, जबकि अखण्डता का अर्थ है अपने सिद्धान्तों, मूल्यों और वचनों के प्रति ईमानदार रहना। ये दोनों गुण व्यक्ति के चरित्र की नीव होते हैं तथा उसके जीवन की दिशा तय करते है। इसी क्रम में उन्होने सभा को सम्बोधित करते हुए अपने विचारों को साझा किया। केन्द्र की सतर्कता अधिकारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने कार्य में ईमानदारी और पारदर्शिता रखें, तो देश प्रगति की नई ऊचाइयों को छू सकता है। आयोजित कार्यशाला में केन्द्र के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी गण के साथ इफको के रजनीश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

सतर्कता जागरूकता कार्यशाला का किया गया आयोजन

संगम शपथ संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत "जीवन और कार्य में नैतिकता और अखण्डता" विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन दिनांक 31.10.2025 को किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं वक्ता अजय कुमार मिश्रा, मुख्य प्रबन्धक (सतर्कता), इफको-फूलपुर इकाई, प्रयागराज तथा विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध रंगमंच, निदेशक, प्रवीण शेखर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यों में समान व्यवहार रखते हुए पारदर्शिता को बनाए रखना ही कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बताया गया।

केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि सतर्कता जागरूकता का उद्देश्य भ्रष्टाचार,

अनियमितता और लापरवाही को रोकना है ताकि समाज और देश में स्वच्छ प्रशासन स्थापित हो सके। इसी क्रम में उन्होने कहा कि जब सामान्य नागरिक, अधिकारी एवं कर्मचारी आदि सतर्क रहते है, तो गलत कार्यों की सम्भावना कम हो जाती है। मुख्य अतिथि एवं वक्ता अजय कुमार मिश्रा ने कार्यशाला विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि जीवन और कार्य में नैतिकता और अखण्डता का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। नैतिकता का अर्थ है सही और गलत के बीच भेद कर सही मार्ग का चयन करना, जबकि अखण्डता का अर्थ है अपने सिद्धान्तों, मूल्यों और वचनों के प्रति ईमानदार रहना। ये दोनों गुण व्यक्ति के चरित्र की नीव होते है तथा उसके जीवन की दिशा तय करते है। इसी क्रम में उन्होने सभा को सम्बोधित करते हुए अपने विचारों को साझा किया। केन्द्र की सतर्कता अधिकारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने कार्य में ईमानदारी और पारदर्शिता रखें, तो देश प्रगति की नई ऊचाइयों को छू सकता है। आयोजित कार्यशाला में केन्द्र के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी गण के साथ इफको के रजनीश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

जागरूकता का उद्देश्य भ्रष्टाचार रोकना

प्रयागराज। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से शुक्रवार को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत जीवन और कार्य में नैतिकता व अखंडता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई।

कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य प्रबंधक सतर्कता इफको फूलपुर इकाई के अजय कुमार मिश्रा ने किया। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि सतर्कता जागरूकता का उद्देश्य भ्रष्टाचार, अनियमितता और लापरवाही को रोकना है। जिससे समाज और देश में स्वच्छ प्रशासन स्थापित हो सके। वहीं, सामान्य नागरिक, अधिकारी एवं कर्मचारी सतर्क रहते हैं, तो गलत अनैतिक कार्यों की संभावना कम होती है। अजय कुमार मिश्रा ने कहा कि जीवन और कार्य में नैतिकता और अखंडता का स्थान महत्वपूर्ण है। नैतिकता का अर्थ सही और गलत के बीच भेद कर सही मार्ग का चयन करना है। इस मौके पर डॉ. अनिता तोमर, रजनीश मिश्रा, प्रवीण शेखर समेत कई लोग मौजूद रहे।

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से शुक्रवार को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ करते अतिथि।

सतर्कता से होगी स्वच्छ प्रशासन की स्थापना

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत एक कार्यशाला का आयोजन हुआ. इसका विषय जीवन और कार्य में नैतिकता और अखंडता रहा. केंद्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने कहा कि सतर्कता जागरूकता का उद्देश्य भ्रष्टाचार, अनियमितता और लापरवाही को रोकना है. ताकि, समाज और देश में स्वच्छ प्रशासन स्थापित हो सके. इफको फूलपुर के मुख्य प्रबंधक अजय कुमार मिश्रा ने कहा कि जीवन और कार्य में नैतिकता और अखंडता का स्थान है.

सतर्कता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

आदर्श सत्यांकित खबरें

प्रयागराज ।पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत ''जीवन और कार्य में नैतिकता और अखण्डता'' विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन दिनांक 31.10.2025 को किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं वक्ता अजय कुमार मिश्रा, मुख्य प्रबन्धक (सतर्कता), इफको-फूलपुर इकाई, प्रयागराज तथा विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध रंगमंच, निदेशक, प्रवीण शेखर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यों में समान व्यवहार रखते हुए पारदर्शिता को बनाए रखना ही कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बताया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि सतर्कता जागरूकता का उद्देश्य भ्रष्टाचार, अनियमितता और लापरवाही को रोकना है ताकि समाज और देश में स्वच्छ प्रशासन स्थापित हो सके। इसी क्रम में उन्होने कहा कि जब सामान्य नागरिक, अधिकारी एवं कर्मचारी आदि सतर्क रहते हैं, तो गलत कार्यों की सम्भावना कम हो जाती है। मुख्य अतिथि एवं वक्ता अजय कुमार मिश्रा ने कार्यशाला विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि जीवन और कार्य में नैतिकता और अखण्डता का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। नैतिकता का अर्थ है सही और गलत के बीच भेद कर सही मार्ग का चयन करना, जबकि अखण्डता का अर्थ है अपने सिद्धान्तों, मूल्यों और वचनों के प्रति ईमानदार रहना। ये दोनों गुण व्यक्ति के चरित्र की नीव होते हैं तथा उसके जीवन की दिशा तय करते है। इसी क्रम में उन्होने सभा को सम्बोधित करते हुए अपने विचारों को साझा किया। केन्द्र की सतर्कता अधिकारी एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने कार्य में ईमानदारी और पारदर्शिता रखें, तो देश प्रगति की नई ऊचाइयों को छू सकता है। आयोजित कार्यशाला में केन्द्र के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी गण के साथ इफको के रजनीश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।